MJC Semester-1.

भू-आकृति विज्ञान (Geomorphology)

भू-आकृति विज्ञान का अर्थ- परिभाषा एवं विषयक्षेत्र :

"भू-आकृति विज्ञान स्थल रूपों का विज्ञान है।"

Geomorphology ⇒ ग्रीक भाषा का शब्द है

ge (पृथ्वी Earth) logos (वर्णन- discourse.)

morphe (रूप form)

* भू-आकृति विज्ञान न केवल स्थलरूपों का अध्ययन करता है बल्कि भूपटल के विभिन्न रूपों का भी अध्ययन करता है।

⇒ स्थल मंडल की उत्पावच्चों का अध्ययन करता है।

⇒ जब हम पृथ्वी के स्वरूप के बारे में व्यवस्थित तार्किक रूप में विवेचना करते हैं तो वह भू आकृति विज्ञान है। इसमें हम चट्टानों की उत्पत्ति, जीवन, पृथ्वी की आंतरिक संरचना के बारे में, भूकम्प, पर्वत निर्माण, प्लेट टेक्टॉनिक, अपरदन अपक्षय, पृथ्वी के निर्माण की प्रक्रिया इत्यादि के बारे में अध्ययन करते हैं। अलग-अलग विद्वानों द्वारा परिभाषा निम्नलिखित है। —

लोबेक महोदय ने भू-आकृति विज्ञान को पृथ्वी के धरातलीय स्वरूप का अध्ययन माना।

⇒ "भू-आकृति विज्ञान भूपटल के धरातलीय लक्षणों का विज्ञान है।

⇒ वॉन एन्जेल - भू आकृतिक विज्ञान केवल स्थललक्षणों का विज्ञान नहीं है बल्कि इसके अन्तर्गत समस्त पृथ्वी की आकृति, विन्यास तथा इसकी बड़ी इकाइयों की व्याख्या है।

* **Note** - भू आकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में सर्वाधिक सराहनीय कार्य "जेम्स हटन" ने किया था।
उन्होंने एकरूपतावाद की विचारधारा को प्रतिपादित किया तथा बताया कि "वर्तमान भूतकाल की कुंजी है।"

उत्तरी अमेरीका के विद्वान
⇓ हटन, डेविस, पावेल, गिलबर्ट ने भू आकृतिक विज्ञान में मुख्य भूमिका निभाई है।

● थार्नबरी ने भू-आकृति विज्ञान की दस संकल्पनाओं का वर्णन किया है।

अपक्षय ⇒ यह एक स्थिर शक्ति है।
* पृथ्वी की सतह की चट्टानें जब टूटती-फूटती है या विशेष रासायनिक क्रियाओं के प्रभाव से अपघटित होती रहती है। अपक्षय कहलाती है।
या, जब चट्टानें बिना स्थान बदले विशेष प्राकृतिक कारकों की क्रिया से अपघटित होती रहती है तो वह अपक्षय कहा जाता है।